RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : शनिवार, 29 अक्टूबर 2022 वर्ष 04 अंक 166 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक रोकठोक लेखनी

खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

मुंबई की पूर्व मेयर किशोरी पेडनेकर से एसआरए घोटाला मामले में पूछताछ,

दादर : महाराष्ट्र की दादर पुलिस ने मुंबई की पूर्व मेयर और शिवसेना (ठाकरे गुट) की नेता किशोरी पेडनेकर से एसआरए घोटाला मामले में पूछताछ की। इसकी जानकारी देते हुए मुंबई पुलिस ने कहा कि किशोरी पेडनेकर को कल फिर बुलाया गया है। अभी तक उनका नाम एफआईआर में दर्ज नहीं किया है। आगे मुंबई पुलिस ने कहा कि कुल नौ लोगों ने शिकायत दर्ज कराई थी कि एसआरए (स्लम पुनर्वास प्राधिकरण) में फ्लैट दिलाने के नाम पर पैसे लिए गए, लेकिन फ्लैट नहीं मिले। दादर पुलिस ने पूर्व मेयर किशोरी पेडनेकर के एक करीबी को भी किया गिरफ्तार।

आइपीएस अधिकारी बनकर कलाकारों से ठगी...!

मुंबई : महाराष्ट्र में मुंबई पुलिस एक ऐसे गिरोह की तलाश कर रही है, जो आइपीएस अधिकारी बनकर कलाकारों से ठगी कर रहे हैं। कलाकारों से कार्यक्रम का वादा कर जाल में फंसाया जाता है। इसके बाद उन्हें सेलिब्रिटी के साथ सौदा करने के नाम पर ठगा जाता है। अब तक कई गायक और कई कलाकार ठगी का शिकार हो चुके हैं।

एक पखवाड़े पहले गायक अशोक निकलजे को हनीफ शेख का फोन आया। हनीफ ने खुद को भारतीय पुलिस सेवा (आइपीएस) अधिकारी बताया। कहा कि उसने एक कार्यक्रम आयोजित किया है। गायक से पूछा कि क्या वह उस कार्यक्रम में प्रस्तुति दे सकते हैं। यह भी पूछा कि शाम के संगीत कार्यक्रम के लिए कितना शुल्क लेंगे, यह कार्यक्रम कर्नाटक के बेलगाम जिले के निपानी में होना था। हनीफ ने कहा कि उन्होंने अभिनेता प्रवीण गस्ती इस कार्यक्रम के लिए सम्मानित अतिथि रहेंगे। निकलजे को उनके साथ रहने के लिए कहा। जब निकलजे सहमत हो गए, तो उन्होंने गस्ती का नंबर दिया और सौदे को अंतिम रूप देने के लिए कहा।

ढाई लाख रुपये भेज दिए

निकलजे के फोन का जवाब गस्ती के निजी सहायक के साथ-साथ अभिनेता ने भी दिया। उन्होंने कहा कि वह पांच लाख रुपये लेंगे, लेकिन आधी राशि की पहले देनी होगी। इसके बाद निकलजे ने शेख को संदेश दिया, शेख ने कहा कि मेरे खाते में नौ लाख रुपये जमा कर दिए हैं, जिसमें मेरी फीस के साथ-साथ गस्ती का भुगतान भी शामिल है। उसने मुझे एक टैक्स्ट संदेश भी भेजा, जिसमें कथित तौर पर धन हस्तांतरण दिखाया गया था।

माहिम के लोगो को एल. जे. रोड पर यू टर्न समस्या!

बांद्रा : बांद्रा से माटुंगा की ओर जाते समय एल.जे. रोड, (बाबा फालूदा और जेके बैंक के पास) में दोपहिया वाहनों के लिए रोड डिवाइडर खोलने का अनुरोध किया है। क्योंकि बाइकर्स को पैराडाइज सिनेमा तक जाकर ''यू'' टर्न लेना पड़ता है। जिससे वाहन चालकों का समय और ईंधन दोनो बरबाद होता है। इस विषय में श्री ''सतीश चावरे'' (वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक यातायात) के साथ 26 अक्टूबर 2022, बुधवार को स्थानीय समाजसेवको ने मुलाकात की। श्री चावरे ने सकारात्मक उत्तर दिया की मामला पहले से ही विचाराधीन है, हमें उम्मीद है कि मामला बहुत जल्द सुलझ जाएगा।

राकांपा नेता को मिली घाटकोपर मैदान में छठ पूजा की मंजूरी

बॉम्बे HC ने BMC का आदेश को किया रद्द...!

मुंबईः घाटकोपर के एक मैदान में छठ पूजा करने को लेकर बीएमसी द्वारा पहली दी गई अनुमति को रद्द करने के मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट ने गुरुवार को सुनवाई की। इस मामले में अदालत ने बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) के पहले दी गई अनुमति को रद्द करने के आदेश को रद्द कर दिया। दरअसल, छठ पूजा का आयोजन 30-31 अक्टूबर को मुंबई के घाटकोपर के आचार्य अत्रे मैदान में होना है। ऐसे में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) की पूर्व पार्षद राखी जाधव के नेतृत्व वाले संगठन श्री दुर्गा परमेश्वरी सेवा मंडल ने बीएमसी से इस मैदान में छठ पूजा के आयोजन की अनुमति मांगी थी। बीएमसी ने पहले राकांपा नेता के संगठन को इसकी अनुमति दे भी दी थी, लेकिन बाद में अपनी पहले की दी गई

अनुमति को रद्द करते हुए बीएमसी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व पार्षद भालचंद्र शिरसत द्वारा समर्थित एक संगठन को इसकी अनुमति दे दी। इसे लेकर ही जाधव ने बीएमसी के आदेश को रद्द करने के खिलाफ हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया।

मामले में सुनवाई के दौरान, बीएमसी ने अदालत को बताया कि परमेश्वरी सेवा मंडल के मैदान के अनुरोध पर आवंटन के लिए विचार नहीं किया गया क्योंकि वे अग्निशमन विभाग, स्थानीय पुलिस स्टेशन और यातायात पुलिस से आवश्यक एनओसी (अनापत्ति प्रमाण पत्र) प्रदान करने में असमर्थ थे। इसलिए बीएमसी ने बाद में अटल सामाजिक संस्कृति सेवा प्रतिष्ठान को अनुमति दी थी, जो भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व पार्षद भालचंद्र शिरसत द्वारा समर्थित एक संगठन है। बीएमसी ने कहा कि चूंकि अटल सामाजिक संस्कृति सेवा प्रतिष्ठान ने समय पर दस्तावेज जमा कर दिए थे, इसलिए उसे उत्सव आयोजित करने की अनुमति दी गई थी।

वहीं अब, अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलों को सुनने के बाद इटउ के आदेश को रद्द कर दिया है। साथ ही हाई कोर्ट ने बीएमसी के उस आदेश को भी खारिज कर दिया जिसमें अटल सामाजिक संस्कृति सेवा प्रतिष्ठान को छठ पूजा आयोजित करने की अनुमति दी गई थी।

एकतरफा प्यार में मर्डर!

मुंबई से कुशीनगर पहुंचा अपराधी

मुंबईः कुशीनगर जनपद के रामकोला थाना क्षेत्र के पपउर गांव के मेंहदीगंज टोले में बीते महीने के 27 सितंबर की रात कमरे में सो रही 32 वर्षीय एक महिला की धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी गई थी. मृतका के पिता रामाकांत प्रसाद की तहरीर पर पुलिस पांच लोगों पर हत्या का केस दर्ज कर जांच कर रही थी.पुलिस ने हत्या के मामले में चार लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ भी की पर पुलिस के हाथ खाली रहा.पुलिस बेरहमी से की गई हत्या का शुक्रवार को खुलासा करते हुए बताया कि मृतका की बहन से एकतरफा प्यार के चक्कर मे वारदात को अंजाम दिया गया है. हत्यारे ने एकतरफा प्यार में मर्डर की इतनी बड़ी साजिश रचते हुए अपनी प्रेमिका के परिजनों को फंसाने के लिए हत्या कर दी. पकड़ा गया आरोपी मुंबई में ही मृतका के परिवार से अपनी जान पहचान बना कर घर आने जाने लगा. जब इसकी भनक परिजनों को हुई तो परिवार को गांव भेज दिया गया. हत्यारा प्रवीन उर्फ प्रदीप पाल पीछा करते हुए पहले अपने घर अयोध्या के इनायतनगर गया. उसके बाद कुशीनगर पहुंच कर मृतका की बहन से विवाह का दबाव बनाने लगा.

प्रवीन जब अपने मंसूबो में कामयाब नही हुआ तो एकतरफा प्यार में हत्या की घटना को अंजाम दे दिया.पुलिस ने छानबीन पाया कि हत्यारा प्रवीन पहले भी मुम्बई के बोरीवली में एक चोरी की वारदात में सलाखों के पीछे रह चुका है. पुलिस ने सिरफिरे आशिक को गिरफ्तार करते हुए हत्या में इस्तेमाल लोहे की रॉड और मोबाइल बरामद कर आगे कार्रवाई में जुट गई है. एएसपी कुशीनगर नितेश सिंह के मुताबिक आरोपी की निशानदेही पर वारदात में प्रयुक्त हथियार बरामद कर लिया गया है. वारदात के पीछे एक तरफा प्रेम संबंध अहम वजह थी. आरोपी लगातार लड़की के पिता पर शादी के लिए दबाव बना रहा था. अपने उद्देश्य में सफल न होने पर उसने वारदात को अंजाम दिया. आरोपी का पहले भी अपराधिक इतिहास रहा है.

संपादकीय / लेख

अभद्र बोल पर वार...

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

अभद्र भाषा या ह्यहेट स्पीचह्न के लिए समाजवादी पार्टी के नेता आजम खान को दोषी ठहराए जाने का भारतीय राजनीति में एक व्यापक सांकेतिक महत्व है। इसका एक पहलू राजनीतिक है, तो दूसरा सामाजिक है, जिस पर विस्तार से चर्चा होनी चाहिए। खैर, आजम खान को तीन साल की कैद के साथ ही, 2,000 रुपये जुमार्ने की भी सजा सुनाई गई है। आजम खान ने मुख्यमंत्री व रामपुर के तत्कालीन जिलाधिकारी के खिलाफ हेट स्पीच या भड़काऊ बयान दिया था और अप्रैल 2019 में उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। अखिलेश यादव के नेतृत्व वाली पार्टी के एक वरिष्ठ नेता आजम खान इन दिनों उत्तर प्रदेश के रामपुर से विधायक हैं। सजा मिलने के बाद उनकी विधानसभा सदस्यता जा सकती है। अगर ऐसा हुआ, तो यह दूसरे नेताओं के लिए सबक होगा। दूसरी ओर, अगर लोग यह मानेंगे कि राजनीतिक द्वेष की वजह से आजम खान को सजा सुनाई गई है, तो इसका बुरा असर भी हो सकता है। फैसला भले अदालत ने किया है, लेकिन सरकार के लिए यह जरूरी है कि वह किसी भी तरह से राजनीतिक विद्वेष दशार्ती हुई न दिखे।

आजम खान मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं। जमीन हड़पने के एक मामले में वह महीनों जेल में रहे हैं और इस मामले में उन्हें तत्काल तो जेल नहीं जाना पडेगा, वह ऊपरी अदालत में अपील कर सकते हैं। वैसे भी ऐसे मामलों में किसी नेता को सजा देना आसान काम नहीं है। देश में बड़ी संख्या में ऐसे नेता हैं, जिन्होंने भड़काऊ बयान दिए हैं, पर आराम से सभाओं में या लोगों के बीच घूम रहे हैं। घृणा फैलाने वाले बयान व भाषण तो देश में बहुत हैं, लेकिन सजा मिलने के उदाहरण बहुत कम हैं। घृणा की अपनी अलग राजनीति है, सत्ता या सरकार बदलने के साथ ही अपराध के प्रति नजरिया बदल जाता है। विपक्ष में रहते बहुत तीखा बोलने वाले नेता भी सत्ता में आकर अपेक्षाकृत सुधर जाते हैं। कानून की राह भी बहुत उलझी हुई है, अनेक नेता पहले ही अदालतों से राहत या जमानत लेकर बैठे रहते हैं। दरअसल, बहुत हद तक ऐसे मामलों में सरकार की मर्जी भी मायने रखती है। आजम खान की ही बात करें, तो उनके खिलाफ कई मामले चल रहे हैं। कभी वह उत्तर प्रदेश की सत्ता में बड़े कद्दावर नेता थे। तमाम परेशानियों के बावजूद पिछले चुनाव में उन्होंने साबित किया कि आज भी उनका जमीनी आधार है। अब जरूरी है कि वह अगर खुद को निर्दोष मानते हैं, तो कानूनी लड़ाई पुरजोर तरीके से लड़ें।

जहां तक कानून और संविधान की बात है, तो उससे कोई समझौता किसी भी सरकार को नहीं करना चाहिए। कानून में पर्याप्त प्रावधान हैं कि कोई भी भड़काऊ इंसान छुट्टा नहीं घूम सकता, लेकिन आज यह बात किसी से छिपी नहीं कि सभी दलों में ऐसे लोग भरे पड़े हैं, जिनके नफरती बोल देश के बुनियादी लोकतांत्रिक ढांचे को नुकसान पहुंचा रहे हैं। अपनी बात रखने का एक सलीका है, जिसे लोग भूलते जा रहे हैं। यह भी एक पहलू है कि समाज में अपशब्द ही लोगों का ज्यादा ध्यान खींचने लगे हैं। अपशब्द बोलने वालों को सजा मिलने लगेगी, तभी यह अनुचित आदत छूटेगी।

editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

शमशान ले जा रहे थे जिस शव को, अर्थी से उठकर खड़ा हो गया वो शख्स

अकोला : महाराष्ट्र के अकोला जिले में हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है. यहां जिस युवा शख्स को मृत मान कर अंतिम संस्कार के लिए शमशान ले जा रहे थे, वह अचानक जिंदा हो गया. इस शख्स की पहचान प्रशांत मेशरे के रूप में हुई है, जिसे डॉक्टर्स ने मृत घोषित कर दिया था. कई दिनों से बीमार प्रशांत अस्पताल में भर्ती था. यहां पूरी तरह जांच परख करने के बाद डॉक्टर ने उसे मृत घोषित किया था. घटना के बाद से परिवार में खुशी का माहौल है तो लोग डॉक्टर्स पर सवाल उठा रहे हैं. खबरों के मुताबिक अकोला के पातूर तहसील के विवरा गांव के रहने वाले प्रशांत मेशरे मात्र 25 साल के हैं और वे होमगार्ड में सर्विस करते हैं. हाल ही में उनकी तबीयत खराब हुई और वे गंभीर हो गए. उनकी हालत से परेशान परिजनों ने उन्हें अस्पताल

में भर्ती कराया. यहां भी इलाज के दौरान उनकी हालत बिगड़ती चली गई. डॉक्टर्स ने परिवार को बताया कि प्रशांत को बचा पाना मुश्किल हो रहा है. बुधवार को डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया.

प्रशांत मेशरे अपने गांव में अच्छी खासी पहचान रखते हैं. उनका परिवार बरसों से इसी गांव में निवास कर रहा है. आसपास के गांव में भी मेशरे परिवार के सगे-संबंधी रहते हैं. ऐसे में जब प्रशांत की मौत हुई तो पूरे गांव में मातम छा गया और परिवार के लोगों का तो रो-रोकर बुरा हाल था. किसी तरह परिवार ने अंतिम संस्कार की तैयारी की. प्रशांत के शव को पूरे रीति-रिवाज से तैयार किया गया और उसे अर्थी पर लिटाकर शमशान ले जाने लगे.

अंतिम संस्कार में शामिल हुए लोगों ने बताया कि प्रशांत का शव अस्पताल से घर लाते समय और यहां तक कि अर्थी पर लिटाते समय तक निस्तेज और प्राण हीन ही लग रहा था. उसके शरीर में कोई हरकत नहीं थी. अर्थी लेकर जब शमशान की ओर आगे बढ़े तब भी प्रशांत मृत जैसा ही था. आधे रास्ते में अचानक अर्थी हिलने लगी और कंधा दे रहे लोगों को जब इसका अहसास हुआ तो वे घबरा गए. तभी किसी ने मंदिर चलने की बात कही और लोग अर्थी को लेकर मंदिर पहुंच गए. यहां प्रशांत अर्थी से उठकर खड़ा हो गया और साथ ही लोगों को आश्चर्य से देखने लगा. उसे यकीन नहीं था कि वह मर गया था और उसका अंतिम संस्कार करने के लिए उसे लेकर जा रहे थे. गांव में इस घटना को लेकर कई तरह की बातें हो रही हैं, लेकिन मेशरे परिवार में खुशी का माहौल है.

विवाहित महिला से घरेलू काम करने के लिए कहना क्रूरता नहीं - हाई कोर्ट

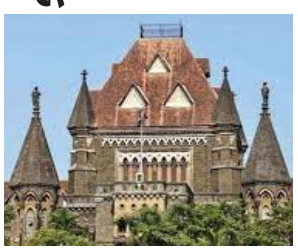

मुंबई : यदि एक विवाहित महिला से कहा जाता है कि वह परिवार के लिए घरेलू काम करे, तो इसकी तुलना घरेलू सहायिका के काम से नहीं की जा सकती. इसे क्रूरता नहीं माना जाएगा. बंबई उच्च न्यायालय की औरंगाबाद पीठ ने एक महिला की ओर से दर्ज कराए गए मामले पर सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की. महिला ने अलग रह रहे पति और उसके माता-पिता पर घरेलू हिंसा और क्रूरता के तहत मामला दर्ज कराया था, जिसे उच्च न्यायालय ने निरस्त कर दिया.

न्यायमूर्ति विभा कांकनवाड़ी और न्यायमूर्ति राजेश पाटिल की खंडपीठ ने 21 अक्टूबर को उस व्यक्ति और उसके माता-पिता के खिलाफ दर्ज की गई प्राथमिकी को रद्द कर दिया. महिला ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया था कि विवाह के बाद एक महीने तक ही उसके साथ अच्छा व्यवहार किया गया, लेकिन इसके बाद उससे घरेलू सहायिका की तरह व्यवहार किया जाने लगा. उसने यह भी आरोप लगाया कि उसके पति और सास-ससुर ने शादी के एक महीने बाद चार पहिया वाहन खरीदने के लिए चार लाख रुपये मांगना शुरू कर दिया. उसने अपनी शिकायत में कहा कि इस मांग को लेकर उसके पति ने उसे मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया. उच्च न्यायालय ने अपने आदेश में कहा कि महिला ने केवल इतना कहा है कि उसे प्रताड़ित किया गया, लेकिन उसने इस तरह के किसी विशेष कृत्य का अपनी शिकायत में जिक्र नहीं किया. अदालत ने कहा कि अगर विवाहित महिला से परिवार के लिए घर का काम करने को कहा जाता है तो इसकी तुलना घरेलू सहायिका के काम से नहीं की जा सकती. अदालत के अनुसार, अगर महिला की दिलचस्पी घर का काम करने में नहीं है तो उसे यह बात विवाह से पहले स्पष्ट कर देना चाहिए, ताकि पति और पत्नी बनने से पहले विवाह पर पुनःविचार किया जा सके. अदालत के अनुसार, अगर महिला विवाह

मुंबई में मालिक के घर चोरी कर घर भागा शख्स बिहार से गिरफ्तार...

38 लाख के गहने 8.5 लाख कैश बरामद

जमुई : मुम्बई के कारोबारी के घर से लाखों रुपये के आभूषण और कैश की चोरी कर घर भागे एक शख्स को जमुई जिले के चंद्रमंडीह थाना इलाके से गिरफ्तार किया गया है. पुलिस ने गिरफ्तार श्रीकांत यादव के घर से 38 लाख का आभूषण और साढ़े आठ लाख नगद बरामद किया है. लाखों का आभूषण और नगद के चोरी का आरोपी श्रीकान्त यादव मुंबई के कारोबारी विवेक जगन्नाथ भोले के घर मजदूरी का काम करता था. मुंबई के कादम्बली थाना में केस दर्ज होने के बाद ये कार्रवाई की गई.

मुम्बई और जिला पुलिस ने चंद्रमंडीह थाना के सगदनीडीह गांव स्थित घर से श्रीकांत यादव को गिरफ्तार किया जहां से चोरी के आभूषण और नगद बरामद किया गया. पुलिस ने बताया है कि कारोबारी के घर में इंटीरियर का काम करने वाले श्रीकांत यादव ने चोरी की घटना को अंजाम दिया था. बताया जा रहा है कि श्रीकांत यादव अपनी पत्नी के साथ बुधवार को मुम्बई से अपने घर लौटा था. दरअसल मुंबई के कारोबारी विवेक जगन्नाथ भोले कादीम्बली थाना में आवेदन देते हुए केस दर्ज कराया था कि उसके घर से 41 लाख 50 हजार 5 सौ का सोने का गहना और 2 लाख नगद की चोरी कर उनके घर काम करने वाला शख्स फरार हो गया है. इसके बाद मुंबई पुलिस ने इस घटना की जानकारी जमुई एसपी को दी. तब जमुई एसपी शौर्य सुमन ने पुलिस की एक टीम बनाकर जिसमें मुंबई से आए पुलिस के दो अधिकारी हेमंत गीते और इंद्रजीत भी शामिल थे, कार्रवाई शुरू की. तब अपने मालिक के घर से चोरी कर घर भागे श्रीकांत यादव को उसके गांव सगदनीडीह से गिरफ्तार किया गया.

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : शनिवार, 29 अक्टूबर 2022

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने आतंक पर चीन-पाक ही नहीं

संयुक्त राष्ट्र को भी खरी-खरी सुना दी

मुंबई : आतंकवाद विरोधी समिति की वठरउ विशेष बैठक के दौरान विदेश मंत्री एस जयशंकर ने आतंकवाद को लेकर चीन, पाकिस्तान के साथ-साथ संयुक्त राष्ट्र को भी खरी-खरी सुनाई। जयशंकर ने यूएन को घेरते हुए कहा कि जब आतंक पर लगाम कसने की बात आती है तो राजनीतिक कारणों से वह कार्रवाई करने में असमर्थ रहा है। जयशंकर ने अपने बयान में यूएन के साथ-साथ चीन पर हाफिज सईद के बेटे को वैश्विक आतंकी घोषित करने की राह पर अडंगा लगाने को लेकर निशाना साधा है।

गौरतलब है कि पिछले दिनों आतंक पर लगाम कसने को लेकर चीन बेनकाब हुआ था। चीन ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में पाकिस्तान में छिपे लश्कर-ए-तैयबा के दो आर्तकियों को बचा लिया था। चीन ने लश्कर आतंकी हाफिज तल्हा सईद को प्रतिबंधित करने की राह पर रोड़ा लगाया था। पड़ोसी देश ने वैश्विक आतंकी घोषित करने के लिए भारत और अमेरिका की तरफ से यूएनएससी में लाए गए प्रस्ताव को वीटो कर रोक दिया था।

यूएन को खरी-खोटी सुनाते हुए जयशंकर ने कहा, 'जब कुछ आतंकवादियों पर प्रतिबंध लगाने की बात आती है तो कुछ मामलों में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद राजनीतिक कारणों से, खेदजनक रूप से कार्रवाई करने में असमर्थ रही है। यह हमारी सामूहिक विश्वसनीयता और हितों को कमजोर करता है।' जयशंकर

ने कहा, 'आतंकवाद अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए, मानवता के लिए एक गंभीर खतरा है। हमने आज पीड़ितों की आवाज सुनी है। उनका नुकसान अतुलनीय है। हम उस आघात को याद रखें और आतंकवाद के अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाने के अपने प्रयासों में लगे रहें।'

विदेश मंत्री जयशंकर ने बैठक में शामिल देशों के राजदूतों को संबोधित करते हुए कहा, 'यहां आपकी उपस्थिति आतंकवाद के सामान्य खतरे का मुकाबला करने की दिशा में आपकी और आपके देश की प्रतिबद्धता को दिखाती है।' जयशंकर ने कहा, 'अगले महीने हम 2008 में हुए मुंबई हमलों की 14वीं बरसी मनाएंगे। उनमें से एक आतंकी जिंदा पकड़ा गया, उस पर मुकदमा चला और सर्वोच्च अदालत ने उसे दोषी ठहराया, फिर भी 26/11 हमलों के मास्टरमाइंड और साजिशकर्ता को पनाह दी जा रही है।' आतंकवाद से लड़ाई पर भारत की हौसलाअफजाई करते हुए जयशंकर ने कहा, 'आतंकवाद ने दुनिया के कई क्षेत्रों को त्रस्त कर दिया है। भारत दूसरों की तुलना में इसको अधिक समझता है। दशकों से सीमा पार आतंकवाद से लड़ने की हमारी प्रतिबद्धता कमजोर नहीं हुई है और न ही होगी।'

जयशंकर ने कहा, 'आतंकवाद का मुकाबला करने का एक प्रमुख पहलू आतंकवाद के फाइनेंसिंग को प्रभावी ढंग से रोकना है। आज आतंकवाद विरोधी समिति स्थानीय और क्षेत्रीय संदर्भ में आतंकवाद के फाइनेंसिंग का मुकाबला करने पर विशेषज्ञों से भी चर्चा करेगी।' यूएनएससी की बैठक के लिए मुंबई के ताज महल होटल पहुंचे विदेश मंत्री एस जयशंकर ने 26/11 आतंकी हमलों के शहीदों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि 26/11 आतंकी हमलों को भूला नहीं जा सकता है। उन्होंने आतंकवाद पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि गुनहगारों को सजा दिलाने का काम अभी अधूरा है। बैठक से पहले सुरक्षा परिषद के सभी देशों के राजदूत ने 26/11 आतंकी हमले में मारे गए शहीदों की स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित करने गए। विदेश मंत्री ने भी ताज होटल में शहीद स्मारक पर पुष्प चक्र अर्पित किया। 26/11 स्मारक पर विदेश मंत्री ने कहा, 'हमने 26/11 हमले के मास्टरमाइंड और अपराधियों को न्याय के कटघरे में खड़ा करने का प्रयास किया है। इस स्थल पर वठरउ की आतंकवाद-रोधी समिति का एक साथ आना विशेष और महत्वपूर्ण है।'

8 साल की बच्ची के बलात्कारी को 10 साल की सजा...!

अदालत ने मुआवजे का भी दिया निर्देश

मुंबई : 8 साल की बच्ची के बलात्कारी को 10 साल की सजा सुनाते हुए शहर की एक पॉस्को अदालत ने कहा कि पीड़िता की मां को मुंबई के जिला कानूनी सेवा प्राधिकरण द्वारा पीड़ित मुआवजा योजना के तहत नियम के अनुसार मुआवजा दिया जाना चाहिए. पीड़ित बच्ची की जान बीमारी की वजह से नहीं बच पाई. पीड़िता की मां बीमारी के कारण अपने बच्ची को खोने के दर्द से गुजरी है. अदालत ने कहा, ''पेनेट्रेटिव सेक्शुअल असॉल्ट को राज्य द्वारा मुआवजा दिया जाना चाहिए,'' साथ ही कोर्ट ने आरोपी पर 26 हजार रुपये का जुमार्ना भी लगाया.

बता दें कि आरोपी बच्ची का पड़ोसी था. पीड़ित की मां ने 28 मार्च 2019 को शाम करीब साढ़े पांच बजे कोर्ट को बताया कि उसने अपनी 8 साल की बेटी के पेशाब में खून देखा. मां ने बच्ची से जब आगे पूछताछ कि तो उसने बताया कि 20 मार्च 2019 को दोपहर करीब 3 बजे जब वह आरोपी के घर में बच्चों के साथ खेल रही थी, तो आरोपी ने उसे पर्दे के पीछे से पकड़ लिया और उसका यौन शोषण किया.

बच्ची ने मां को यह भी बताया कि आरोपी ने उसे धमकी दी थी और कहा था कि वह इस घटना के बारे में किसी को न बताए. मां ने अदालत में कहा कि वह अपनी बेटी को स्थानीय डॉक्टर के पास ले गईं, जिन्होंने उन्हें आगे की चिकित्सा जांच और इलाज के लिए केईएम अस्पताल जाने की सलाह दी. अगले दिन बच्ची को वहां ले जाया गया. 30 मार्च 2019 को प्राथमिकी दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया. हालांकि आरोपी ने दावा किया कि 'पुराने झगड़े के चलते उसे झूठा फंसाया गया है. कोई भी परिवार अपने गर्ल चाइल्ड की निजी अंग की गोपनीयता को पड़ोसी के साथ हुए झगड़े को लेकर उजागर नहीं कर सकता क्योंकि यह बच्चे और परिवार के लिए गर्व की बात नहीं है.'

महाराष्ट्र सरकार पर संकट!

एकनाथ शिंदे का सिरदर्द बना 2 MLAs का झगड़ा... 5 दिन अहम

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की सरकार पर संकट के बादल मंडराते नजर आ रहे हैं। यहां शिंदे समर्थक दो विधायकों रवि राणा और बच्चू कडू में तनाव जारी है। कहा जा रहा है कि कडू की तरफ से चेतावनी जारी कर दी गई है कि वह जल्दी कोई 'फैसला' ले सकते हैं। साथ ही ह भी खबर है कि वह अदालत जाने की तैयारी कर रहे हैं।

बडनेरा से निर्दलीय विधायक राणा दावा कर रहे हैं कि प्रहार जनशक्ति पार्टी (PJP) के कडू ने शिंदे का समर्थन करने के लिए रुपये लिए हैं। अब कडू ने चेतावनी दे दी है कि राणा के आरोपों पर सीएम शिंदे और डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस अगर जवाब या राणा के आरापों को साबित करते सबूत नहीं देते हैं, तो वह 8 अन्य विधायकों के साथ फैसला ले लेंगे।

उन्होंने कहा, 'वह यह दावा करते हुए निजी हमले कर रहे हैं कि मैंने रुपये लिए और गुवाहाटी गया। केवल मैं ही नहीं था, जो गुवाहाटी गया था, 50 और विधायक थे। इस मुद्दे पर शिंदे और फडणवीस को संज्ञान लेना चाहिए, क्योंकि अगर आपका समर्थन करने पर आपके ही समर्थक विधायक की तरफ से ऐसे सवाल उठ रहे हैं, तो यह दुर्भाग्यपूर्ण है।' कडू ने दावा किया है कि इसके जरिए उनकी ही नहीं, बल्कि शिंदे और फडणवीस की छवि खराब की जा रही है। उन्होंने कहा, 'केवल मेरी छवि खराब नहीं हो रही है, लोग पूछेंगे कि सीएम और डिप्टी सीएम ने मुझे कितने रुपये दिए। 50 विधायक विकास के मुद्दे पर शिंदे के साथ जुड़े थे और यह सवाल उठाकर कि हमने जुड़ने के लिए रुपये लिए थे, वह इसपर सवाल उठा रहे हैं। इसपर स्पष्ट होना जरूरी है। अगर ऐसा नहीं हुआ तो 1 नवंबर तक हम अलग फैसला लेंगे।' उन्होंने कहा कि 8 और विधायक आरोपों से दुखी हैं और सभी 1 नवंबर को फैसला लेंगे। कडू ने दावा किया कि वह इसे लेकर कोर्ट जाएंगे और शिंदे और फडणवीस को प्रतिवादी बनाएंगे।

दोनों विधायकों में पुरानी है जंग!

दोनों विधायकों के बीच तनाव नया नहीं है। कहा जाता है कि इसकी जड़ें अमरावती में वर्चस्व से जुड़ी हैं। खास बात है कि राणा की पत्नी नवनीत यहां से सांसद हैं। खबरें हैं कि सीएम भी दोनों विधायकों में सुलह की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन अब तक इसे लेकर कोई सफलता नहीं मिली है।

कोयना बांध के पास मामूली तीव्रता का भूकंप आया

सतारा : जिले में कोयना बांध क्षेत्र के पास शुक्रवार को सुबह 2.8 की मामूली तीव्रता का भूकंप आया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भूकंप के कारण किसी तरह के जानमाल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। कोयना बांध के भूकंप विज्ञान विभाग के एक अधिकारी ने कहा, '' सुबह छह बजकर 34 मिनट पर कोयना बांध क्षेत्र में भूकंप का झटका महसूस किया गया।'' उन्होंने बताया कि भूकंप का केंद्र कोयना क्षेत्र के दक्षिण-पूर्व में हेलवाक गांव से पांच किलोमीटर की दूरी पर था।

मझगांव इलाके में इमारत में लगी आग...

मुंबई: महाराष्ट्र में मध्य मुंबई के मझगांव इलाके में शुक्रवार दोपहर चार मंजिला एक इमारत में आग लग गई। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि गनपाउडर रोड पर तुलसीवाड़ी में अहमद भवन की दूसरी मंजिल पर दोपहर करीब 12 बजे लगी आग में कोई हताहत नहीं हुआ है। अधिकारी ने बताया कि आग को 45 मिनट के अंदर बुझा दिया गया। निगम के एक अधिकारी ने कहा, '' आग लगने की घटना में कोई घायल नहीं हुआ है। चार दमकल वाहनों को मौके पर भेजा गया, जिन्होंने लगभग 45 मिनट में आग पर काबू पाया।

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : शनिवार, 29 अक्टूबर 2022

देवेंद्र फडवीस के बयान ने किया नजदीकियों का इशारा...

महाराष्ट्र में फिर करीब आएंगे शिवसेना और BJP?

मुंबई : महाराष्ट्र में तमाम राजनीतिक उठा-पटक हुई। शिवसेना और बीजेपी के बीच कड़वाहट हुई। उद्धव ठाकरे सीएम बने और कुछ ही समय में बगावत करके अलग हुए एकनाथ शिंदे ने ठाकरे सरकार गिरा दी। बागियों के साथ मिलकर शिंदे सीएम बने तो बीजेपी और उद्धव गुट वाली शिवसेना के बीच तनाव और बढ़ गया। शिंदे के सीएम बनने के बाद बीजेपी और शिवसेना के बीच खींचतान जारी है।

इसी बीच दिवाली पर देवेंद्र फडणवीस के एक बयान ने सियासी हलचल तेज कर दी। उन्होंने उद्धव ठाकरे गुट को लेकर नरमी दिखाई तो उद्धव ठाकरे ने भी सुलह की बात की। अब फडणवीस के बयान और उद्धव के मुखपत्र सामना में छपे संपादकीय को लेकर चर्चा तेज हो गई है कि क्या बीजेपी और उद्धव ठाकरे फिर से करीब आएंगे?

महाराष्ट्र के डेप्युटी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने दिवाली मिलन कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों से कहा था कि राजनीति में बहुत कड़वाहट होती है, इसे खत्म करने की जरूरत है। फडणवीस के बयान पर उद्धव ठाकरे ने अपने संपादकीय में कहा है कि अगर आपके मन में कड़वाहट खत्म करने का ख्याल आ गया है, तो आपको तुरंत पहल करनी चाहिए। सामना के संपादकीय में लिखा कि महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने ऐन दिवाली पर मिली-जुली और समझदारी वाली बातें की हैं।

उनके बदले में उनका जितना अभिनंदन किया जाए, उतना कम है। फडणवीस का मूल स्वभाव मिल-जुलकर पेश आने का था लेकिन सत्ता जाने के बाद वह बिगड़ गया। मनुष्य का मूल स्वभाव बदलने की आवश्यकता नहीं है। जीत के बाद खुशी होती है फिर भी उन्माद चढ़ना, वयस्कता के लक्षण नहीं माने जाते। फडणवीस में नए सत्ता परिवर्तन के बाद परिपक्वता आ गई है, ऐसा प्रतीत होने लगा है।

मुंबई के कुर्ला में गोदाम में लगी आग, आठ दमकल वाहन मौके पर

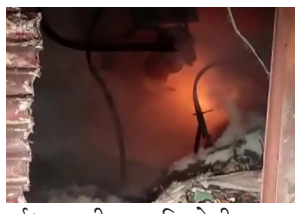

मुंबई : मुंबई के कुर्ला इलाके के एक गोदाम में आग लग गई है। ये आग लेवल-2 की बतायी जा रही है। आग की सूचना मिलते ही दमकल के आठ वाहन मौके पर पहुंचकर आग बुझाने का प्रयास कर रहे हैं। आग कैसे और कब लगी इस बारे में अधिक जानकारी नहीं मिल पायी है।

गौरतलब है कि बीते दो दिन पहले कुर्ला पश्चिम के साकीनाका में खैरानी रोड पर स्थित एक कबाड़ के गोदाम में भीषण आग लग गई थी। इस आग की चपेट में वहां लगे 20-25 टिन शेड आ गए थे। हालांकि गनीमत ये रही कि इस हादसे में किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं मिली। ये आग सुबह 7 बजे लगी थे और देखते ही देखते परिधान व कागज के स्टॉक, स्क्रैप सामग्री, बिजली के तारों, प्रतिष्ठानों, नालीदार पैकिंग बॉक्स आदि में फैल गई। आग की सूचना मिलते ही दमकल अधिकारी तुरंत आठ दमकल वाहन के साथ मौके पर पहुंचे। साथ ही मौके परा एक एंबुलेंस को भी भेजा गया। दोपहर 2.47 बजे तक आग पर काबू पा लिया गया। दमकल कर्मियों ने बताया कि गोदाम ग्राउंड प्लस एक मंजिला था और स्क्रैप सामग्री के भंडारण की वजह से आग बहुत तेजी से फैल गयी बता दें कि इससे पहले भी खैरानी रोड स्थित औद्योगिक क्षेत्र में आग ने कहर बरपा रखा था। वर्ष 2017 में वहां एक फरसान मार्ट में भीषण आग लगी थी जिसमें दर्जन भर मजदूरों की मौत हो गई थी।

आदित्य ठाकरे ने शिंदे सरकार की खिंचाई की

महाराष्ट्र ने एक और बड़ी परियोजना गंवा दी...

टाटा-एयरबस सी-295 परिवहन विमान परियोजना के गुजरात में जाने की घोषणा के साथ ही महाराष्ट्र की राजनीति में सियासी हलचल पैदा हो गई। महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री आदित्य ठाकरे ने गुरुवार को एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली सरकार की खिंचाई की और पूछा कि जो परियोजना महाराष्ट्र में आने वाली थी, वह पड़ोसी राज्य में क्यों चली गई। उन्होंने शिंदे सरकार पर राज्य की प्रगति के बारे में गंभीर नहीं होने का आरोप लगाया और राज्य के हितों की रक्षा करने में विफल रहने के लिए उनकी आलोचना की।

आदित्य ठाकरे की इस प्रतिक्रिया पर महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने यह कहते हुए जवाब दिया कि पिछली महाविकास अघाड़ी (एमवीए) सरकार ने प्रस्तावित परियोजना का पालन करने के लिए कुछ नहीं किया। रक्षा मंत्रालय ने गुरुवार को कहा कि एयरबस और टाटा समूह का एक संघ (कई व्यावसायिक कंपनियों) गुजरात के वडोदरा में भारतीय वायु सेना (IAF) के लिए उ-295 परिवहन विमान का निर्माण करेगा। रक्षा मंत्रालय ने इस परियोजना के लिए 22,000 करोड़ रुपये की घोषणा की है। इसके तहत एक निजी कंपनी द्वारा पहली बार भारत में एक सैन्य विमान का उत्पादन किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को प्रमुख यूरोपीय रक्षा कंपनियों और भारतीय समूह के निर्माण केंद्र की आधारशिला रखेंगे, जिसे घरेलू एयरोस्पेस क्षेत्र के लिए एक प्रमुख बढ़ावा के रूप में देखा जा रहा है। इस साल सितंबर में सीएम शिंदे के वफादार उदय सामंत, जो वर्तमान में उद्योग मंत्री हैं, ने कहा था कि टाटा-एयरबस विमान निर्माण परियोजना महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र में नागपुर के पास आएगी। पुणे जिले की शिरूर तहसील में पत्रकारों से बात करते हुए आदित्य ठाकरे ने पूछा कि 'क्या राज्य सरकार जवाब देगी कि ये परियोजनाएं क्यों बाहर जा रही हैं? उन्होंने कहा कि यह चौथी परियोजना है जो राज्य में राजद्रोही सरकार के सत्ता में आने के बाद से महाराष्ट्र से दूर हो गई है।

झोलाछाप की घिनौनी करतूत, गोंडा में नशीला इंजेक्शन लगाकर युवती से रेप

गोंडा : गोंडा जिले में थानाक्षेत्र के विशुनाबाजार में इलाज कराने आई युवती से झोलाछाप ने नशीला इंजेक्शन लगाकर दुष्कर्म किया। घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पुलिस ने आरोपी झोलाछाप के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। एसपी आकाश तोमर ने बताया कि आरोपी झोलाछाप को गिरफ्तार कर लिया गया है। उसके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

खरगूपुर थाना क्षेत्र के विशुनापुर बाजार में मंगलवार को एक गांव की 20 वर्षीय युवती झोलाछाप की क्लीनिक पर इलाज कराने आई थी। युवती ने हाथ पर इंजेक्शन लगाने की गुजारिश की। झोलाछाप ने कूल्हे पर इंजेक्शन लगाने की बात कहकर उसे बेंच पर जबरन लिटा दिया। आरोप है कि इसके बाद युवती के कूल्हे पर नशीला इंजेक्शन लगाकर अश्लील हरकतें करने लगा। यही नहीं युवती के साथ झोलाछाप ने दुष्कर्म भी किया। युवती ने लोकलाज के भय से घर में कुछ नहीं बताया। बुधवार देर शाम दुष्कर्म का वीडियो वायरल होने के बाद परिजनों ने झोलाछाप की क्लीनिक का घेराव किया मगर आरोपी फरार हो गया।

गुरुवार को पीड़िता के परिजनों ने थाने पर तहरीर दी। पुलिस ने आरोपी झोलाछाप अजमल पुत्र याहिया निवासी विशुनापुर के विरुद्ध नशीली दवा देकर दुष्कर्म करने सहित कई गंभीर धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की है।

सीएम योगी ने खोला राज, कैसे दुरुस्त की यूपी कानून-व्यवस्था?

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि उत्तर प्रदेश प्रशासनिक दृष्टि से एक चुनौतीपूर्ण राज्य भी है। इस चुनौती के बावजूद प्रधानमंत्री और केन्द्रीय गृह मंत्री के मार्गदर्शन में राज्य सरकार कानून-व्यवस्था को निरन्तर सुदृढ़ रखने में सफल सिद्ध हुई है। बीते पांच वर्षों में कानून-व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण के लिए पुलिस बल में चारों आयामों- भर्ती व प्रशिक्षण, पुलिस बल का आधुनिकीकरण, अवस्थापना सुविधाओं में वृद्धि तथा वर्तमान चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए गृह मंत्रालय के मार्गदर्शन में तेजी से कार्य किए गए। इसलिए ही यूपी महिला अपराध में सजा दिलाने में पहले स्थान पर है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यह बातें गुरुवार को हरियाणा के सूरजकुण्ड में अमित शाह गृह मंत्री की अध्यक्षता में आयोजित दो दिवसीय चिन्तन शिविर में कहीं। शिविर में राज्यों के मुख्यमंत्री, गृह मंत्री, संघशासित प्रदेशों के उपराज्यपाल तथा प्रशासक भाग ले रहे हैं।

फिल्म निमार्ता को अंबोली पुलिस ने किया गिरफ्तार...!

पत्नी को कार से मारी थी टक्कर...!

फिल्म निमार्ता कमल किशोर मिश्रा के खिलाफ अपनी पत्नी को कार से टक्कर मारने का मामला दर्ज किया गया था। पुलिस ने पूछताछ के बाद निमार्ता को गिरफ्तार कर लिया है। कमल किशोर मिश्रा की पत्नी की शिकायत के आधार पर अंबोली पुलिस ने फिल्म निमार्ता के खिलाफ आईपीसी की धारा

279 और 338 के तहत मामला दर्ज किया था। इस घटना में उनकी पत्नी को सिर में चोट लगी थी और वह गंभीर रूप से घायल हो गई थीं। उनसे पूछताछ की जा रही थी। पत्नी ने अपनी शिकायत में कहा था कि मिश्रा ने 19 अक्टूबर को कथित तौर पर उन्हें कार से टक्कर मार दी थी, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गई थीं। शिकायत के मुताबिक घटना वाले दिन पीड़िता अपने पति की तलाश में निकली और उसे पार्किंग एरिया में अपनी कार में एक अन्य महिला के साथ पाया। जब वह उसका सामना करने गई, तो मिश्रा ने अपनी कार में मौके से भागने की कोशिश की और इस प्रक्रिया में अपनी पत्नी को टक्कर मार दी और भाग गया, जिससे उसके पैर, हाथ और सिर में चोट लग गई। बता दें कि पत्नी को टक्कर मारने की वारदात सीसीटीवी में भी कैद हो गई थी। एक अधिकारी ने बताया कि कमल किशोर मिश्रा को गुरुवार को उपनगरीय मुंबई के एक पुलिस स्टेशन में पूछताछ के लिए घर से लाया गया था।

मालिक , मुद्रक,प्रकाशक ,संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिंटिंग प्रेस , गाला नं 3 - 4 ,अमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट ,सोनावला क्रॉस रोड नं 12 ,गोरगांव (पूर्व),मुंबई 63 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। संपर्क कार्यालय : 1 -ए, ग्राउंड फ्लोर साहिल मेंशन, बालमिया लेन, माहिम वेस्ट मुंबई 400016 मोबाइल नं 9987 77 5650 व्हाट्सप्प नं 7977 40 8589 : Email - editor@rokthoklekhaninews.com